DC GOVT. COLLEGE LIBRARY

Roll No. .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 8

(2042)

UG (CBCS) Ist Year Annual Examination

2042

B.A. HINDI

(Madhyakalin Hindi Kavita)

(Core)

Paper : HIND 103

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : Regular : 70 / ICDEOL : 100**

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चौदह** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) 'कबीर' शब्द का अर्थ क्या है ?

   (क) छोटा

   (ख) महान

   (ग) कर्मवीर

   (ii) तुलसीदास का जन्म स्थान किसे माना जाता है ?

   (क) सोरों

(ख) मथुरा

(ग) अयोध्या

(iii) सूरदास किस मंदिर में रहकर साधना करते थे ?

(क) दुर्गा मंदिर

(ख) श्रीनाथ मंदिर

(ग) श्रीराम मंदिर

(iv) मीराबाई की शादी किससे हुई थी ?

(क) भोजराज

(ख) विक्रम सिंह

(ग) संग्राम सिंह

(v) रसखान कहाँ के रहने वाले थे ?

(क) आगरा

(ख) दिल्ली

(ग) मथुरा

(vi) 'नहिं पराग, नहिं मधुर मधु' वाला सुप्रसिद्ध दोहा बिहारी ने किस राजा के लिए लिखा था ?

(क) राणा प्रताप

(ख) राजा जयसिंह

(ग) जसवंत सिंह

(vii) भूषण मुख्यतः किस रस के कवि हैं ?

(क) शृंगार

(ख) भक्ति

(ग) वीर

(viii) घनानन्द का सम्बन्ध रीतिकाल की किस काव्यधारा से है ?

(क) रीतिबद्ध

(ख) रीतिमुक्त

(ग) रीतिसिद्ध

(ix) 'प्रेमवाटिका' किसकी रचना है ?

(क) रसखान

(ख) मीरा

(ग) तुलसीदास

(x) सूरदास की मृत्यु कब हुई ?

(क) 1584 ई.

(ख) 1680 ई.

(ग) 1470 ई.

(xi) कबीर के ग्रंथ का क्या नाम है ?

(क) पद्मावत

(ख) विनय पत्रिका

(ग) बीजक

(xii) तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य 'रामचरितमानस' में कुल कितने काण्ड हैं ?

(क) सात

(ख) नौ

(ग) ग्यारह

(xiii) वृन्दावन में मीरा की भेंट किस बंगाली भक्त से हुई थी ?

(क) तुलसीदास

(ख) रूप गोस्वामी

(ग) जीव गोस्वामी

(xiv) बिहारी के पिता का क्या नाम था ?

(क) रत्नाकर

(ख) केशव

(ग) विश्वनाथ

(xv) भूषण का आश्रयदाता कौन था ?

(क) साहूजी

(ख) शिवाजी

(ग) बाजीराव

(xvi) घनानन्द किस सम्राट के मीर मुंशी थे ?

(क) अकबर

(ख) शाहजहाँ

(ग) मुहम्मद शाह रंगीले 1×14=14

भाग–क

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) बहुत दिनन थे मैं प्रीतम पाये।
भाग बड़े धीर बैठे आये।
मंगलाचार माँहि मन राखौं, राम रसाँइण रस न चाषौ॥
मंदिर माँहि भयो उजियारा, ले सूतो अपनौ पीव पियारा॥
मैं रनि राती जे निधि पाई, हमहिं कहाँ यह तुमहिं बड़ाई॥
कहै कबीर मैं कछु न कीन्हा, सखी सुहाग राँम मोहि दीन्हा॥

अथवा

जाहु जाहु उधो। जाने हौं पहचाने हों॥
जैसे हरि तैसे तुम सेवक कपट चतुराई साने हौं॥
निर्गुण ज्ञान कहाँ तुम पायो केहि सिखाए ब्रज आने हौं॥
यह उपदेश देहु लै कुबजहिं जाके-रूप लुभाने हौं॥
कहँ लागि कहौ योग की बातैं बाँचत नैन पिराने हौं॥
सूरदास प्रभु हम हैं खोटी तुम तो बारह बाने हौं॥

(ख) कबीरदास सामाजिक क्रान्तिकारी के कवि हैं, वर्णन कीजिए।

अथवा

सूरदास की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 7+7=14

भाग–ख

3. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलहा कहौ कोऊ,
काहूकी बेटी सों बेटा न व्याहब, काहूकी जाति बिगार ने सोऊ।
तुलसी सरनाम गुलाम है रामको, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ।
माँगी के खैबो, मसीतको सोइबो, लैबेको एकु न दैबेको दोऊ॥

अथवा

प्रभु सो मिलण कैसे होय।
पाँच पहर धन्धे में बीते तीन पहर रहे सोय॥
माणष जणम, अमोलक पायो, सोतै डार्‌यो खोय।
मीराँ के प्रभु गिरधर भजीये होगी होय सो होय॥

(ख) तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

मीराँ की भक्ति भावना का विस्तृत वर्णन कीजिए। 7+7=14

T

भाग–ग

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मानुष हौं तो वही रसखान बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जो पशु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नन्द की धेनु मँझारन॥
पाहन हौं तो वही गिरि को जो धर्‌यो कर छत्र पुरन्दर धारन।
जो खग हौं तों बसेरों करौं मिलि, कालिंदी कूल कदंब की डारन॥

अथवा

नहिं पराग, नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल।
अली, कली ही सौं बंध्यौ, आगे कौन हवाल॥
× × × × ×
छला छबीले लाल कौ, नवल नेह लहि नारि।
चूबंति, चाहनि, लाई उर, पहिराति धरति उतारि॥

(ख) रसखान का सामान्य जीवन परिचय देते हुए उसकी रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

बिहारी सतसई के काव्य सौष्ट पर प्रकाश डालिए।
7+7=14

भाग–घ

5. निम्नलिखित की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) ता कुल में नृपवृन्द सब, उपजै बखत बलन्द।
भूमिपाल तिनमैं भयो, बड़ो 'माल मकरन्द'॥
× × × × ×
ताते 'सिरजा विरद भौं', सोभित सिंह प्रमान।
रन-भू-सिला सु भौसिला, आयुषमान 'खुमान'।

अथवा

हीन भए जल मीन अधीन, कहा कुछ भी अकुलानी-समानै।
नीर-सनेही कौं लाय कलक निरास ह्वै कापर-व्यागत प्रानै॥
प्रीति की रीति सु क्यों समुझे जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै।
या मन की जु दसा घनानन्द जीव की जीवति जान ही जानै॥

(ख) घनानन्द का जीवन परिचय लिखिए।

अथवा

भूषण के काव्य की भाषा शैलीगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 7+7=14